



Total No. of Printed Pages — 4

CCSME23

403988

PAPER / पत्र – II

KHORTHIA LANGUAGE AND LITERATURE

खोरठा भाषा एवं साहित्य

SUBJECT CODE / विषय कोड : 07

Full Marks : 150

Time : 3 Hours

पूर्णांक : 150

समय : 3 घण्टे

निर्देश :

- (i) प्रश्न-पत्र दो भाग में विभक्त है। भाग 'अ' में कुल 4 प्रश्न (प्रश्न संख्या 1 से 4) एवं भाग 'ब' में कुल 4 प्रश्न (प्रश्न संख्या 5 से 8) है।
- (ii) प्रश्न संख्या 1 एवं प्रश्न संख्या 5 सभी परीक्षार्थियों के लिए अनिवार्य है।
- (iii) परीक्षार्थियों को कुल 6 प्रश्नों का उत्तर लिखना है, जिसमें दोनों भाग 'अ' एवं 'ब' से अनिवार्य प्रश्न संख्या के अतिरिक्त प्रत्येक खण्ड में से कम से कम 1 (एक प्रश्न) का उत्तर देना अनिवार्य होगा एवं कुल चार प्रश्नों का उत्तर देना होगा।
- (iv) अनिवार्य प्रश्न संख्या 1 एवं 5 में सात प्रश्नों में से पाँच प्रश्नों के उत्तर देना होगा जिसका प्रति प्रश्न 7 अंक निर्धारित है।
- (v) प्रश्न संख्या 1 एवं 5 के अतिरिक्त शेष प्रश्नों का 20 अंक प्रति प्रश्न है।
- (vi) उत्तर अपनी मातृभाषा "खोरठा" में ही लिखें।

निर्देश :

“खोरठा भाषा” कुल छव (6) गो सवालैक जबाब लिखैक हय। सवाल संख्या 1 (एक) आर 5 पाँच जुनजुनार (अनिवार्य) हइ। एकर अलावे दुइयो खाँधा (ग्रुप) से कम से कम एक-एक सवालैक उत्तर दय के चार 4 सवालैक उत्तर दाय।

उत्तर खोरठें दाय (लिखा)।



भाग 'अ'

खाँधा-अ

1. हेठें उखरवल सात सवाल में पाँच सवालेक उत्तर दाय- 7×5=35
- (क) खोरठा भासाक उत्पत्ति आर विकास के फरीछ करा।
- (ख) खोरठा भासाक बेयाकरनिक बिसेसता के बेस सिरे लिखा।
- (ग) खोरठा भासाक पछान (परिचय) दय के ओकर बिसेसता के बतवा।
- (घ) खोरठा भासा विद्वान गुलाक मते खोरठा साहितेक काल विभाजन कर अदी-खदी करा।
- (ङ) खोरठा 'गीत' उद्भव आर विकास के छोट-खांट लिखा।
- (च) लिंग कर माने बतवा आर पुलिंग से इसतिरलिंग (स्त्रीलिंग) बनवेक नियम के पटतइर दय के बतवा।
- (छ) सरबनाम केकरा कहल जा हे? ओकर भेद के पटतइर दइके लिखा।
2. (क) खोरठा लोक साहितेक पछान (परिचय) लिखा आर आइज के समये महत्तम के फुरछावा। 10
- (ख) खोरठा लोक गीतेक परिभाषा लिखा आर बाँटा-खुँटा (वर्गीकरण) के फरीछ करा। 10
3. (क) खोरठा लोक कथाक परिभाषा, बिसेसता आर महत्तम के बेस सिरे लिखा। 10
- (ख) प्रकीर्ण साहितेक मतलब के बेसतरी फुरछावा आर एकर अन्तर्गति कउन-कउन विद्या पावल जा हे बरनन करा। 10
4. (क) खोरठा 'उपन्यास' साहितेक लेखन परंपरा के लिखा आर ओकर तत्व कर बरनन करा? 10
- (ख) संस्मरण केकरा कहल जा हे? खोरठाक कोन्हों एगो संस्मरनेक जइर भाव लिखा। 10

भाग 'ब'

खाँधा- ब

5. हेठेक उखरवल सात सवाले पाँच सवालेक उत्तर लिखा- 7×5=35
- (क) खोरठा भासाक साहितेक विकासे श्री निवास पानुरी जीक की जोगदान हइन फरीछ करा?
- (ख) विश्वनाथ दसौंधी 'राज' जीक परिचय खोरठा साहित्यकारेक रूपेँ खाँट-खुँटे लिखा।



- (ग) आपन पंसिदेक कोन्हो एगो खोरठा साहित्यकारेक जीवन परिचय लिइख के ओकर कृति केर बखान करा।
- (घ) खोरठाज पहेली आर लोकोकि के की कहल जा हे? पाँच-पाँच गो पहेली आर लोकोक्ति लिइख के ओकर माने के फुरछावा।
- (ङ) खोरठाक कान्हो एगो नाटकेक जइर भाव लिखा।
- (च) खोरठाक लिपि समस्या आर समाधानें आपन विचार दाय।
- (छ) उपसरग आर परतिअइ में कि अन्तर हे? पटतइर दइके बतवा।

6. हेठें दियल कोन्हो दु (दो) विसइ पर छोट-खाँट निबंध लिखा :

10×2=20

- (क) सोंहराय परब
- (ख) टुसु परब
- (ग) कोरोना काल
- (घ) पर्यावरण कर महतम

7. (क) हेठें दियल गइदेक उचित सिरसक दइके खाँट-खुँट (संक्षेपण) करा :

10

“पुस महिनाक दिन पुरबया कनकनी ठंड हवा आर ओइसने दामोदरे थय-थय लोक मकर नहाय ले पहुँचला हथ। नहाय धोय के दही-चिउरा खाय ले खखवाइल हथ। दही-चिउरा खायके टुसु मेला घुरे लागल हथ। गाँवेक मेहरारू आर कुंवारी बाला सब दलेक-दल टुसु (चड़क) लइके आय रहल हथ दामोदरेक धाइर। मेला टांइड़े लोकेक आवा-आ-ही लागल हे। टुसुमनी सब टुसु गीत गाय-गायके आय रहल हथ। गोटे दामोदर टुसुमय होय गेल हे। छउवा-चेंगा हिन्दे-हुँदै फुदइक रहल हथ। ई रकम गोटे मेला टांइड़ आन्दमय होय गेल हे।”

(ख) खोरठें उलथा (अनुवाद) करा :

10

समूचे झारखण्ड में करमा पर्व भादों महिना के एकादशी दिन धुमधाम से मनाया जाता है। यह पर्व की बालाओं द्वारा मनाया जाता है। करमा पर्व पहुँचने से सप्ताह भर पहले ही करमइतिन सब ससुराल से माइके आ जाती है। यहाँ आकर सभी सहेली से मिलकर गाँव के आखड़ा को जगाती है। और करमा पर्व के नौ दिन या सात पहले ही जावा उठाती है। तथा सुबह-शाम जावा गीत गाकर जावा जगाती है। करमा पर्व भाय-बहन का प्रेम का प्रतीक पर्व है। इस पर्व में बहने करम डाइर से आपने भाय का सुख समृद्धि के लिए पूजा पाठ करती हैं।



8. (क) हेठें दिअल गेल 'अनुच्छेद' पइढ़ के तीनों सवालेक जवाब दाय :

10

एक दिन हस्तिनापुरेक राजा सांतनु सिकार करे आइल जमुना नदिक काछारे। संजोगे देख लेल गादराइल जुवान छंडी मइछगंधा के। सांधा केरक बात जखन उठवल तो गंधाक बाप दासराजे एगो सरत राखल मइछगंधाक जनमल बेटा हस्तिनापुरेक राजा हेत आर सिंहासने बइसत। बात सुइन राजा सांतनुक मुड़ भइ गेल हेंठ, कि ले ना कि सांतनुक पहिल बिहोवा छाड़ल जनी गंगा से एगो बेटा देवबरत हल, सइ देवबरत एखन मइछगंधाक उमइरे। राजा सांतनुक बक बंद, उठल आर घोड़ा चेइघ आपन राज गेल घुइर।

सवाल :-

- (1) हस्तिनापुरेक राजाक नाम की? आर ऊ कहाँ गेल हला?
- (2) हस्तिनापुरेक राजा के गंधाक बापें सांधा से पहिले की सरत राखल?
- (3) राजाक बक बंद काहे भेल?

- (ख) जतरा बिरतांत केकरा कहल जा हे? खोरठाक एगो कोन्हो जातरा बिरतांत के अदी-खदी करा। 10

★ ★ ★